राधा कमल मुकर्जी : चिन्तन परम्परा

वर्ष 9 अंक 2 **जुलाई-दिसम्बर 2007**

1. **वैश्विक परिदृश्य में भारत में उच्च शिक्षा की पुनर्संरचना** - डॉ. दिवाकर सिंह राजपूत, रीडर समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
2. **जनसंचार माध्यम और सामाजिक परिवर्तन** - डॉ. के.पी. सिंह, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं श्रीमती टीना अरोड़ा, शोध अध्येत्री, समाजशास्त्र विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान)
3. **संगठन और विकास** - प्रोफेसर जसपाल सिंह, भूतपूर्व अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, गुरूनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर (पंजाब) एवं रवीन्द्र नाथ, सेवानिवृत्त जर्नलिस्ट रक्षा विभाग, भारत सरकार नई दिल्ली
4. **कृषि विविधीकरण योजनान्तर्गत स्वयं सहायता समूह द्वारा साक्षरता सशक्तीकरण का दीप** - डॉ. योगेन्द्र सिंह, उपाचार्य समाजशास्त्र विभाग, सी.सी.एस. यूनिवर्सिटी, मेरठ (उ.प्र.)
5. **झज्जर रियासत में 1857 की क्रान्ति** - श्रीमती मीनाक्षी हुण्डा, प्राध्यापक इतिहास विभाग, चौधरी देवी लाल मैमोरियल गर्ल्स कालेज, सिवाह, पानीपत (हरियाणा)
6. **महिलाएं : यौन हिंसा तथा बढ़ते अपराध** - डॉ. डी.एस. बिष्ट, उपाचार्य समाजशास्त्र विभाग, डी.एस. बी. परिसर, कुमायूं विश्वविद्यालय, नैनीताल एवं कु. नीमा वोरा, शोध छात्रा समाजशास्त्र विभाग, कुमायूं विश्वविद्यालय, नैनीताल (उत्तराखण्ड)
7. **आधुनिकता एवं जातीय प्रतिमान : शिक्षित युवजनों के संदर्भ में** - डॉ. यू.बी. सिंह, रीडर एवं अध यक्ष समाजशास्त्र विभाग, फिरोज गांधी कालेज, रायबरेली एवं कृष्ण कुमार, शोध छात्र समाजशास्त्र विभाग, फिरोज गांधी कालेज, रायबरेली (उ.प्र.)
8. **'गरीबी बाल अधिकार का बेरहम शत्रु** - डॉ. रमाकान्त ठाकुर, रीडर समाजशास्त्र विभाग, हिन्दू कालेज, मुरादाबाद एवं निरकार सिंह, समजशास्त्र विभाग. एम.जी.एम. कालेज, संभल, मुरादाबाद (उ.प्र.)
9. **प्राथमिक शिक्षा के अवरोध** - डॉ. अजय कुमर सिंह, प्रवक्ता, बी.एड., महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हरदोई एवं डॉ. अरविन्द कुमार सिंह, सहायक अध्यापक, राजकीय क्वींस कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)
10. **वैश्वीकरण बनाम उत्तराखण्ड तराई के बंगाली समुदाय की परिवार व्यवस्था** - डॉ. अंचलेश कुमार, विभाग प्रभारी समाजशास्त्र, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बागेश्वर (उत्तराखण्ड)
11. **पाठा के कोलों का समकालीन राजनीतिक परिवेश एवं विकास की दशा** - डॉ. स्वामी प्रसाद, विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हमीरपुर एवं डॉ. राम गनेश रीडर समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ.प्र.)
12. **महिला ग्राम प्रधान एवं ग्रामीण विकास** - ओमऋषि भारद्वाज, प्रवक्ता असीसी कान्वेन्ट सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल, आगरा रोड, एटा (उ.प्र.)
13. **अवकाश प्राप्त कर्मचारियों की पारिवारिक-सामाजिक स्थिति** - डॉ. सीमा साह, अंशकालिक प्रवक्ता, समाजशास्त्र विभाग, हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर एवं कु. आरती रावत, शोध छात्रा समाजशास्त्र विभाग, हे.न.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, नैनीताल (उत्तराखण्ड)
14. **मध्य प्रदेश में ग्राम स्वराजय व्यवस्था का क्रियान्वयन** - राकेश कुमार चौहान, शोधार्थी डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संस्थान, अम्बेडकर नगर, महू (म.प्र.)
15. **भारत में एड्स रोग : एक समाजवैज्ञानिक विश्लेषण** - सुनील कुमार श्रीवास्तव, शोध अध्येता, समाजशास्त्र विभाग, श्री अग्रसेन कन्या स्वायत्तशासी महाविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)
16. **तपेदिक रोग से ग्रस्त व्यक्ति का मनोविज्ञान-एक विश्लेषण** - श्रीमती कोकिल कुमारी, शोध अध्येत्री, गृह विज्ञान विभाग, हे.न.ब. राजकीय महाविद्यालय, नैनी, इलाहाबाद (उ.प्र.)

17. **प्रजननता एवं महिलाएंःएक समाजशास्त्रीय विश्लेषण** - कु. रीता कुमारी, शोध छात्रा, श्री अग्रसेन कन्या स्वायत्तशासी पी.जी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)
18. **प्राचीन भारतीय न्यायिक-प्रक्रिया में साक्षी की परीक्षा** - अजय कुमार मिश्र, शोध अध्येता, प्राचीन इतिहास, राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद (उ.प्र.)
19. **जनसंचार के विविध माध्यम एवं दलित समुदाय** - श्रीमती मनोरमा श्रीवास्तव 'चित्रांशी', शोध छात्रा समाजशास्त्र विभाग, श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)
20. **रोगियों के उपचार में परिवार की भूमिका** - प्रतिभा सिंह, शोध अध्येत्री समाजशास्त्र विभाग, डी.ए.बी. पी.जी. कालेज, आजमगढ़ (उ.प्र.)
21. **पुस्तक समीक्षा ''जनजातीय विकास के नवीन आयाम'' - लेखक - डॉ. राजेन्द्र कुमार मिश्र**
समीक्षक- डॉ. श्रीकमल शर्मा, पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, तथा संचालक जनसंख्या शोध केन्द्र, सामान्य एवं व्यावहारिक भूगोल विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)